Baba’s Praise

20/2/2015

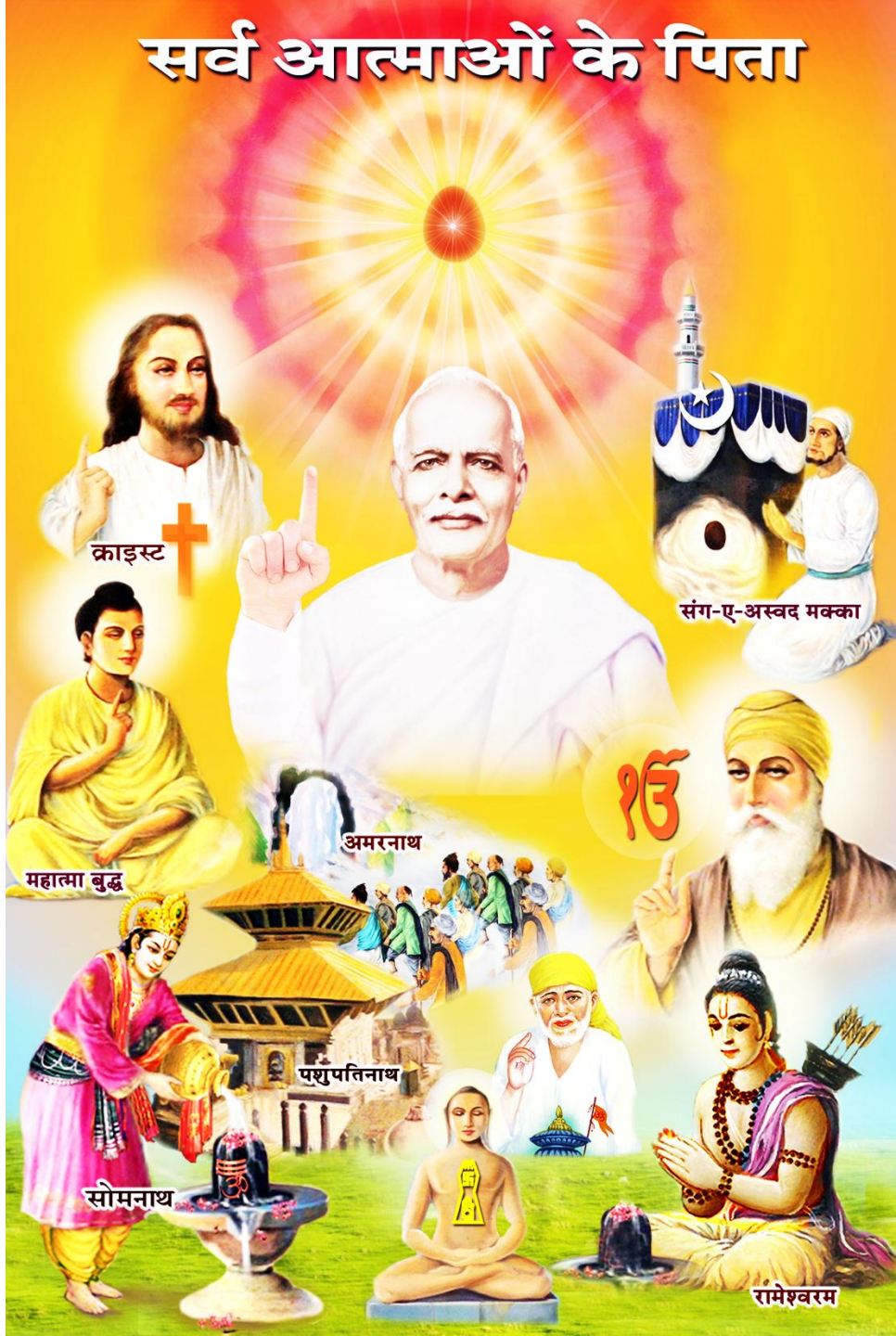

- भगवान की महिमा भी कितनी ऊंची करते हैं परन्तु अक्षर कितना सिम्पुल है - **गॉड फादर** । सिर्फ फादर नहीं कहेंगे, गॉड फादर वह हैं **ऊंच ते ऊंच** । उनकी महिमा भी बहुत ऊँच है । उनको बुलाते भी पतित दुनिया में हैं । खुद आकर बतलाते हैं कि मुझे पतित दुनिया में ही बुलाते हैं परन्तु **पतित-पावन** वह कैसे हैं, कब आते हैं, यह किसको भी पता नहीं ।

- **पतित-पावन** बाप आते भी जरूर हैं, उनको कोई पतित-पावन कहते, कोई **लिबरेटर** कहते हैं । पुकारते हैं कि **स्वर्ग में ले चलो** । सबसे **ऊँच ते ऊँच** है ना । उनको पतित दुनिया में बुलाते हैं कि आकर हम **भारतवासियों को श्रेष्ठ बनाओ** । उनका **पोजीशन कितना बड़ा** है । **हाइएस्ट अथॉरिटी** है ।

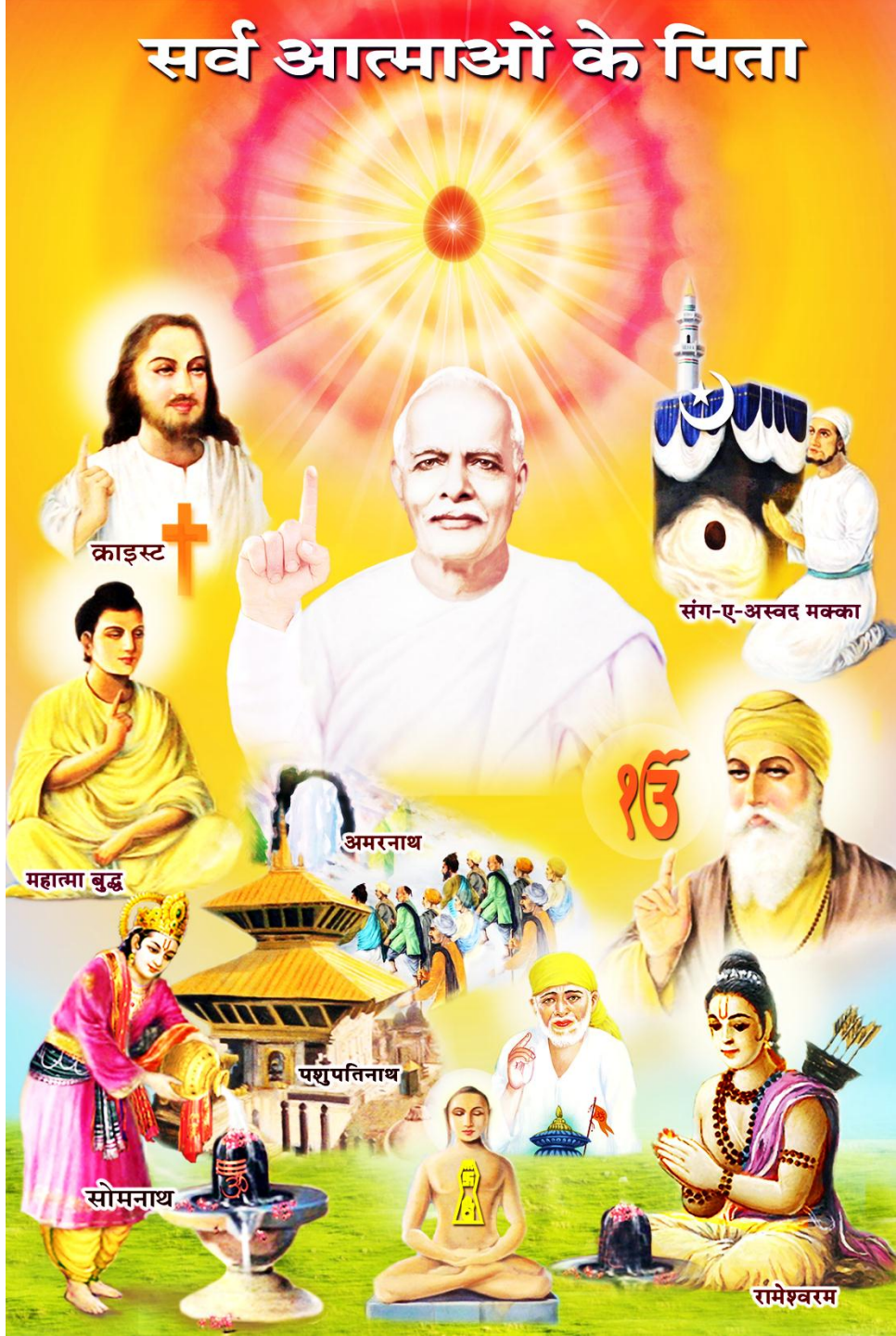

- तो बाप हैं **बहुत बड़ी आसा**मी ।

- कहते हैं मैं इस तन का आधार लेता हूँ । मेरा नाम **शिव** हैं । मुझ आत्मा का नाम कभी बदलता नहीं हैं ।

- यह बाप ने ही परिचय दिया है कि **जब-जब अत्याचार और ग्लानि होती है तब मैं आता हूँ** ।

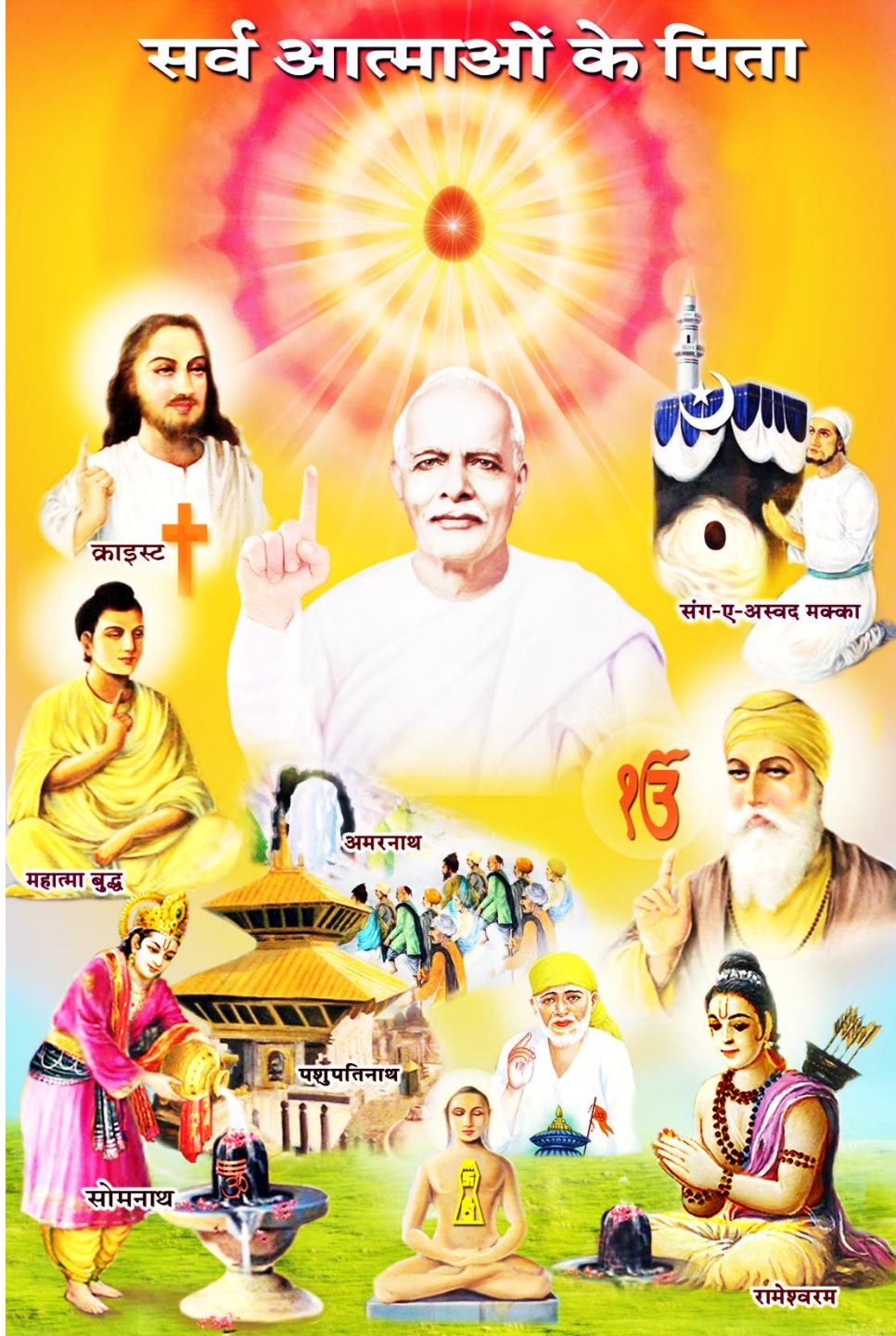

- बाप कितना **ऊँच ते ऊंच** है । **पतितों को पावन** बनाने वाला बाप कहते हैं मुझे बुलाते ही इस पतित दुनिया में है ।

- पतित दुनिया में ही बुलाते हैं कि आकर पावन बनाओ । मैं कितना **बड़ा मेहमान हूँ** । आधाकल्प से मुझे याद करते आये हो ।यहाँ कोई बड़े आदमी को बुलायेंगे, करके एक-दो वर्ष बुलायेंगे ।

- वास्तव में यह **बड़े ते बड़ा गेस्ट ऑफ ऑनर** (बड़ी महिमा वाला मेहमान) है, कितनी **हाइएस्ट अथॉरिटी** है, बुलाते भी बहुत प्रेम से हैं, परन्तु हैं बिल्कुल बुद्धू ।मैं ही आकर अपना परिचय देता हूँ कि मैं तुम्हारा **फादर हूँ** । मुझे **गॉड फादर** कहते हैं ।

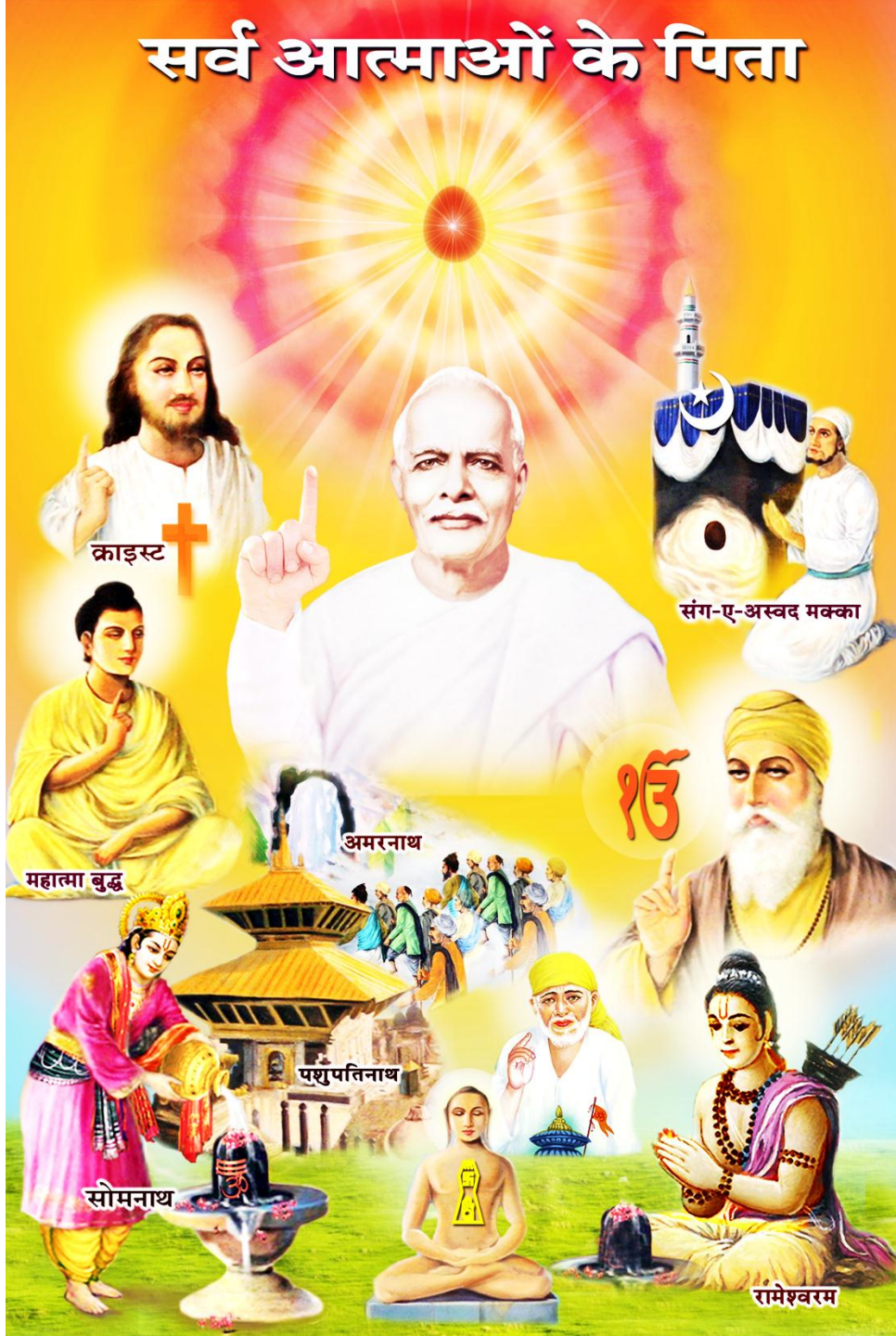

- जब सब रावण की कैद में हो जाते हैं तब ही बाप को आना होता है क्योंकि सब हैं **भक्तियां** अथवा ब्राइड्स-सीतायें । बाप है **ब्राइडगुम-राम** ।

- बाप ही आकर **सारे वर्ल्ड के आदि-मध्य- अन्त का नॉलेज** बताते हैं । कहते हैं मैं हूँ **बड़े ते बड़ा गेस्ट, परन्तु गुप्त** ।

- बाप बहुत ही **सहज योग** अर्थात् याद सिखलाते हैं ।

- **पतित-पावन** बाप को ही बुलाते हैं कि आकर पावन दुनिया बनाओ क्योंकि पावन दुनिया में बहुत सुख था इसलिए ही कल्प-कल्प पुकारते हैं । बाप सबको सुख देकर जाते हैं ।